KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

स्वतंत्र भारत में राजनीति

अध्याय - 4

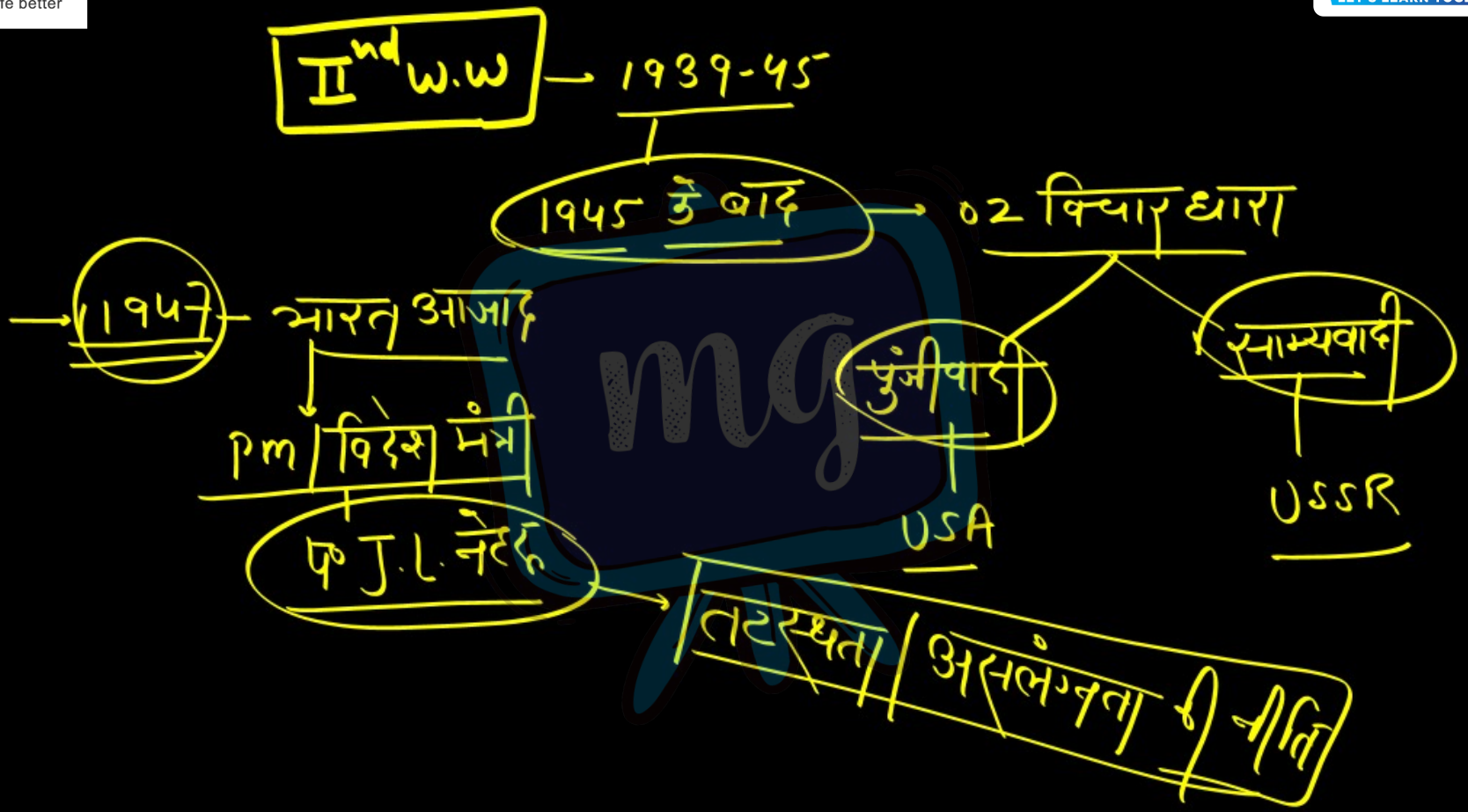
भारत के विदेश संबंध

भाग - 2

Satyaveer Yadav

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

→ 1955 → बाण्डुंग सम्मेलन → गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव

01 Sep. 1961 – बेलग्रेड सम्मेलन में NAM (गुटनिरपेक्ष आंदोलन) की स्थापना

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पं. J. L. नेहरू की विदेश नीति के 03 उद्देश्य -

1. सम्प्रभुता को बनाये रखना।
2. क्षेत्रीय अखण्डता
3. तीव्र आर्थिक विकास

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

NAM

एफ्रो-एशियाई एकता



- भारत के आकार अवस्थिति और शक्ति संभावना को भांपकर नेहरू ने विश्व के मामलों में खासकर एशियाई मामलों में भारत के लिए बड़ी भूमिका निभाने का स्वप्न देखा।
- भारत ने मार्च 1947 में ही एशियाई संबंध सम्मेलन का आयोजन किया।
- भारत ने इंडोनेशिया के स्वतंत्रता संग्राम के समर्थन में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन किया।
- इंडोनेशिया के बांडुग में 1955 में 'एफ्रो-एशियाई' सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- बांडुग सम्मेलन में ही गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव पड़ी।
- गुटनिरपेक्ष आंदोलन का पहला सम्मेलन 1961 में बेलग्रेड में हुआ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

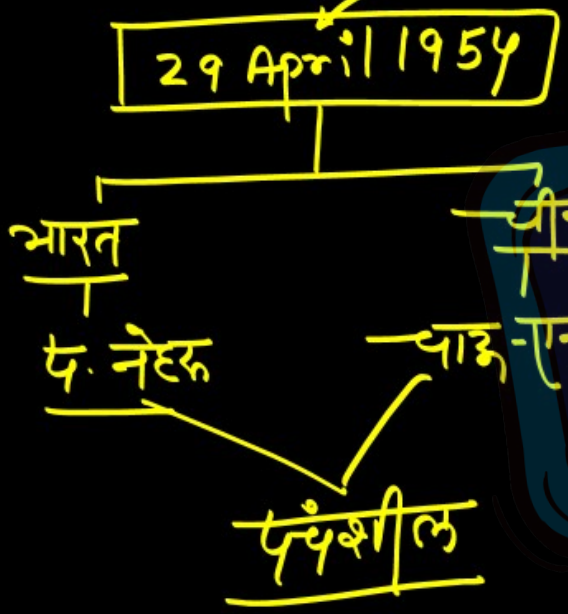
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1949 में चीनी क्रांति हुई।
- क्रांति के बाद कम्यूनिस्ट सरकार को मान्यता देने वाले पहले देशों में एक भारत भी।
- नेहरू का चीन पर गहरा विश्वास।
- नेहरू के कुछ सहयोगियों (जैसे - सरदार पटेल) को चीन को लेकर शंका - किंतु नेहरू ने नकारा।
- भारत की चीन से लगती सीमा पर सेना के बजाय अर्द्ध-सैनिक बलों की रखवाली।

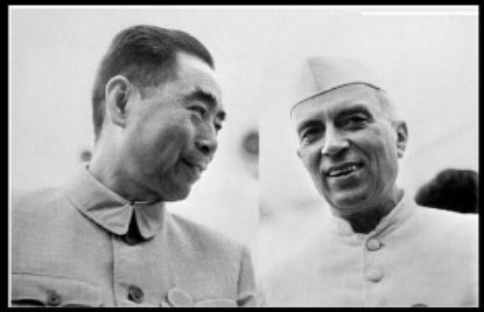
KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पंचशील के सिद्धांत



- भारत के प्रधानमंत्री एवं चीन के प्रमुख चाऊ एन लाई ने संयुक्त रूप से 29 अप्रैल 1954 को पंचशील सिद्धांतों की घोषणा की।
  - अहस्तक्षेप
  - अनाक्रमण
  - शांतिपूर्ण सहअस्तित्व
  - परस्पर सहयोग व लाभ को बढ़ावा।
  - क्षेत्रीय अखंडता व प्रभुसत्ता का सम्मान



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चीन का आक्रमण (1962)

दलाई लामा को शरण :-

- चीन ने 1950 में तिब्बत पर कब्जा किया।
- शुरू में भारत सरकार ने खुल कर विरोध नहीं किया।
- 1958 में चीनी आधिपत्य के विरूद्ध तिब्बत में सत्रास्त्र विद्रोह हुआ। इसे चीनी सेनाओं ने दबा दिया।
- तिब्बत के धार्मिक नेता दलाई लामा ने भारत से राजनीतिक शरण मांगी।
- 1959 में भारत ने उन्हें शरण दे दी।
- चीन का आरोप - भारत सरकार अंदरूनी तौर पर चीन विरोधी गतिविधियों को हवा दे रही है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत-चीन सीमा विवाद

भारत का दावा :-

- चीन के साथ सीमा रेखा का मामला अंग्रेजी शासन के समय ही सुलझाया जा चुका है।

चीन का दावा :-

- अंग्रेजी शासन के समय का फैसला नहीं माना जा सकता।
- भारतीय क्षेत्र में पड़ने वाले दो इलाकों जम्मू-कश्मीर के लद्दाख वाले हिस्से के अक्साइ-चीन और अरूणाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों पर अपना अधिकार जताया।
- 1957 से 1959 के बीच चीन ने अक्साई चीन इलाके पर कब्जा किया और इस इलाके में अपनी रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए एक सड़क बनायी।